महत्वपूर्ण एवं खास

सीआरपीएफ के जवानों ने 2 नक्सली स्मारक किया ध्वस्त

सुकमा (आरएनएस)। जिले के भेज्जी थाना अंर्तगत ग्राम रेगरगट्टा में नक्सलियों द्वारा बनाये गये 2 नक्सली स्मारक को सीआरपीएफ के जवानों ने ध्वस्त कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीआरपीएफ बटालियन के 50वीं, 219 एवं 241 के जवान सर्चिंग के लिये ग्राम रेगरगट्टा तथा मोसलमडगु, के लिये निकली थी, इस दौरान नक्सलियों द्वारा ग्राम रेगरगट्टा के घने जंगल मे बनाये गये 2 नक्सली स्मारक मिले दोनो अनाधिकृत कंक्रीट के स्मारकों को ध्वस्त कर दिया है।

चलती ट्रेन से गिरकर किन्नर की मौत

भिलाई (आरएनएस)। मुंबई -हावड़ा रेलवे लाइन पर चलती ट्रेन से गिरकर एक किन्नर की मौत हो गई है. किन्नर की लाश अप लाइन पर भिलाई- 3 स्टेशन से पहले गांधी नगर के पास मिली है. मौके पर काले रंग का बैग और नकली बाल का विग मिला है. घटना सुबह 8 से सवा 8 बजे के बीच का है. फिलहाल मृतक किन्नर की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

पीएचई के सरकारी वाहन ने सड़क पर बैठे दो बुजुर्गों को कुचला, गंभीर

बिलासपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर शहर में सरकारी वाहन के चालक ने हटरी चौक स्थित मंदिर के पास बैठे दो लोगों को कुचल दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला व बुजुर्ग को अस्पताल में दाखिल किया गया है. मिली जानकारी के अनुसार सरकारी विभाग पीएचई के चारपहिया वाहन छ्त्त 02-3827 के चालक ने हटरी चौक स्थित हनुमान मंदिर के पास दो लोगों को कुचल डाला. हादसे में घायल महिला और बुजुर्ग को गंभीर चोटें आई हैं। भीख मांगकर गुरज-बसर करने वाले बुजुर्ग को आंखों से दिखाई नहीं देता है. घटना में घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां बुजुर्ग की हालत काफी नाजुक बताई जा रही है. हादसे की सूचना पर पहुंची सिटी कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चिटफंड में डूबे निवेशकों के 60 हजार से अधिक आवेदन जमा हुए

जगदलपुर (आरएनएस)। बस्तर जिले में चिटफंड कंपनियों में निवेशकों के 60 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन आवेदन पत्रों को बंडल में बांधकर रखा गया है। ठगी के शिकार निवेशक सरकार से उम्मीद लगाए बैठे हैं, लेकिन अभी तक सरकार की ओर से कोई स्पष्ट आदेश जारी नहीं किया गया है। निवेशकों से आवेदन लेकर उम्मीद की किरण तो दिखाया गया, लेकिन पैसे कब तक मिलेंगे इस विषय पर कोई भी कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं है। जिले के अलग-अलग थानों में चिटफंड कंपनियों के खिलाफ 06 मामले दर्ज हैं, लेकिन अब तक कंपनी से निवेशकों की राशि नहीं मिली है। सभी मामलों में पुलिस की जांच जारी है। कुछ कंपनी के लोगों पर कार्रवाई की गई है तो कुछ के खिलाफ पुलिस के खिलाफ सबूत कम है। प्रदेश सरकार की ओर से 02 से 06 अगस्त तक आवेदन जिला कार्यालय में मंगाए गए थे। निवेशकों की बढ़ती संख्या को देखकर सरकार ने आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 20 अगस्त कर दिया था। 60 हजार आवेदन जमा होने के बाद चिटफंड कंपनियों से ठगे गए निवेशकों के आवेदन सरकारी कार्यालय में धूल खा रहे हैं। इन आवेदनों का क्या होगा, अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं है। प्रशासनिक अधिकारियों को भी आगे की कार्रवाई के किए शासन के आदेश का इंतजार है।

52 टन पपीते के उत्पादन एवं विक्रय से समूह को 5 लाख का मुनाफा

» मुख्यमंत्री के विशेष सचिव डॉ. भारतीदासन ने बस्तर में पपीते की सामूहिक खेती का मुआयना किया

» पपीता उत्पादक स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से मिले और उनकी मेहनत को सराहा

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री के विशेष सचिव डॉ. एस. भारतीदासन आज बस्तर दौरे के दौरान तीरथगढ़ पहुंचकर वहां महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा आधुनिक तरीके से की जा रही पपीते की सामूहिक खेती का मुआयना किया। समूहों की महिलाओं से मुलाकात की। पपीते की सफल खेती के लिए उनकी लगन और मेहनत को सराहा। डॉ. भारतीदासन ने स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि आप सबने सामूहिक खेती की मिसाल कायम की है। महिला स्व-सहायता समूह की सचिव श्रीमती हेमा और सदस्य फूलाबाई ने चर्चा के दौरान कहा कि शासन-प्रशासन से उन्हें पपीते की सामूहिक खेती के लिए न सिर्फ मार्गदर्शन मिला, बल्कि हर संभव मदद मिली है। शासन द्वारा तीरथगढ़ में 10 एकड़ शासकीय भूमि 8 महिला स्व-सहायता समूहों को पपीते की सामूहिक खेती के लिए उपलब्ध कराई गई। विधिवत प्रशिक्षण दिया गया। जिला प्रशासन ने फेंसिंग एवं पौधों के रोपण से लेकर सिंचाई तक इंतजाम किया। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं जिला प्रशासन का आभार जताते हुए कहा

कि हम महिला समूहों को आगे बढ़ने के लिए एक नई राह मिली है। समूह से जुड़ी महिलाओं के आग्रह पर विशेष सचिव ने इस मौके पर उनके द्वारा उत्पादित पपीते का स्वाद चखा और सराहना की।

समूह की महिलाओं ने बताया कि वे पहले दूसरों के यहां रोजी-मजदूरी किया करती थीं, किन्तु अब वे यहां स्वयं के लिए कार्य कर रही हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास जगा है। महिला समूह की सचिव श्रीमती हेमा ने बताया कि पपीते की सामूहिक खेती 8 महिला स्व-सहायता समूह मिलकर कर रहे है। समूहों से 42 महिलाएं जुड़ी हुई है। जनवरी 2021 में 10 एकड़ भूमि में पपीते के कुल 5500 पौधों का रोपण किया गया था। छह महीने बाद जुलाई 2021 में पपीते की तुड़ाई शुरू हो गई थी। अब तक 52 टन पपीते की तोड़ाई एवं विक्रय किया जा चुका है। इससे समूह को लगभग 5 लाख रूपए का मुनाफा हुआ है। उन्होंने बताया कि समूह के द्वारा उत्पादित पपीता दिल्ली भी बिकने के लिए जाने लगा है। दिल्ली में पपीते का सर्वाधिक रेट उन्हें 45 रूपए प्रति किलो की दर से मिला है। स्थानीय बाजार में अभी पपीता 22-23 रूपए किलो में बिक रहा है। बस्तर किसान कल्याण संघ द्वारा पपीते के विक्रय एवं परिवहन के लिए वाहन भी उपलब्ध कराया गया है। जिला प्रशासन द्वारा पपीते की पौधों की सुरक्षा के लिए चारों ओर फेंसिंग कराए जाने के साथ ही सिंचाई के लिए चार बोर कराकर ड्रिप सिस्टम लगाया गया है। सचिव डॉ. भारतीदासन ने बस्तर जिले के अत्यंत पिछड़े और दुर्गम क्षेत्र की महिलाओं द्वारा अत्याधुनिक तरीके से की जा रही पपीते की खेती और इसके जरिए रोजगार और मुनाफा अर्जित करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाएं पपीते के उत्पादन और मार्केटिंग में पारंगत हो गई है, यह खुशी की बात है। उन्होंने बस्तर जिले में सामूहिक खेती को बढ़ावा मिले, इसके लिए समूहों एवं किसानों को प्रेरित और प्रोत्साहित किए जाने की जरूरत है। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ऋचा चौधरी अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उद्यानिकी विभाग के अधिकारी कुशवाहा ने खेती की तकनीक, अमीना प्रजाति के पपीते की उत्पादकता और आटोमेशन मशीन के माध्यम से फसल की देखरेख की जानकारी दी।

हाथियों का उत्पात जारी, पोड़ीकला में फिर तोड़े 4 मकान

कोरबा। वनमंडल कटघोरा के पसान रेंज में हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। यहां के पसान सर्किल में मौजूद 35 हाथियों के दल ने शुक्रवार की रात उत्पात मचाते हुए पोड़ीकला गांव के बुंदेलीपारा में 4 मकानों को तोड़ दिये तथा अमझर व पोड़ीकला में 1 दर्जन से अधिक किसानों की फसल भी रौंदी। हाथियों का उत्पात पूरे रात भर चला।

हाथियों के दल के अमझर व पोड़ीकला पहुंचने व उत्पात मचाये जाने की सूचना पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों तथा हाथी मित्र दल के सदस्यों के साथ मिलकर उत्पाती

हाथियों को खदेडने की कार्रवाई की। वन अमले द्वारा काफी मशक्कत के बाद हाथियों को खदेड़ा जा सका। खदेड़े जाने पर हाथियों ने जंगल का रूख किया तब ग्रामीण व वन अमले ने राहत की सांस ली। सुबह होने पर वन अमले द्वारा नुकसानी का आंकलन किया गया और रिपोर्ट तैयार की। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पोड़ीकला में 4 ग्रामीणों के मकान को हाथियों ने बूरी तरह तोड़ दिया है। जिससे उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा है। रेंजर धर्मेंद्र चौहान ने जानकारी दी कि वन्यप्राणी के उत्पात में ग्रामीणों को हुई नुकसान की भरपाई के लिए वन विभाग मुआवजा देगा। इसके लिए पीड़ितों की सूची तैयार की जा रही है। प्रकरण तैयार कर इसे डीएफओ के समक्ष पेश किया जायेगा।

वन विभाग द्वारा हाथियों की लगातार निगरानी की जा रही है। दिन में वन विभाग के कर्मियों की अलग ड्यूटी लगाई गई है। जबकि रात में दूसरे कर्मचारियों को मौक पर भेजा जा रहा है। वन विभाग द्वारा क्षेत्र में मुनादी कराकर लगातार ग्रामीणों को सावधान किया जा रहा है। ग्रामीणों से कहा जा रहा है कि वे हाथियों की मौजूदगी वाले जंगल की ओर न जाये। यदि किसी कारणवश जाना आवश्यक हो तो वे पूरी तरह सावधानी बरते। कल भी क्षेत्र में सायं को हाथियों के मण्डराने की सूचना मिलते ही वन अमले को पोड़कला व अमझर रवाना कर दिया गया था। जिन्होंने गांव पहुंचकर ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया था। वन विभाग की सतर्कता से कोई जनहानी नहीं हो सकी। लेकिन हाथियों ने 4 ग्रामीणों के घर को तोड़ दिया तथा वहां रखे चावल व अन्य अनाज को भी खा गये।

छत्तीसगढ़ में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने हरसंभव पहल : मुख्यमंत्री बघेल

» मुख्यमंत्री से 'मेरी चिड़िया' फिल्म के निर्माण यूनिट के सदस्यों ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज शाम यहां उनके निवास कार्यालय में 'मेरी चिड़िया' नामक हिन्दी फीचर फिल्म के निर्माण यूनिट के सदस्यों ने छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा के नेतृत्व में सौजन्य मुलाकात की। फिल्म का निर्माण छत्तीसगढ़ रामापीर स्टूडियो और फोक फीचर फिल्म के बैनर तले किया जा रहा है। मुख्यमंत्री बघेल ने इस अवसर पर फिल्म निर्माण इकाई के आग्रह पर मेरी चिड़िया फिल्म

के लिए मुहूर्त शॉट दिया।

मुख्यमंत्री बघेल ने छत्तीसगढ़ में फिल्म निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव पहल की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा नई फिल्म नीति तैयार की जा रही है। जिसमें फिल्म निर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए हर आवश्यक प्रावधान किए जाएंगे।

आत्मसमर्पित सोढ़ी मूया को लेकर नक्सलियों ने जारी किया प्रेस विज्ञप्ति

सुकमा (आरएनएस)। जिले मे चलाए जा रहे पूना नर्कोंम अभियान के तहत लगातार बड़े-छोटे नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। इसी कड़ी में 09 सितंबर को 08 लाख के ईनामी नक्सली केरलापाल एरिया कमेटी का सचिव सोढ़ी मूया के आत्मसमर्पण करने से नक्सलियों को इससे बड़ा झटका लगा है। नक्सलियों के दरभा डिविजन कमेटी के सचिव साईनाथ ने आत्मसमर्पित नक्सली सोढ़ी मूया को लेकर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर गद्दारी का आरोप लगाया है। स्थानिय नक्सलियों के आत्मसमर्पण से नक्सली संगठन कमजोर हो रहा है, यह नक्सलियों के द्वारा जारी विज्ञप्ति प्रमाणित कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आत्मसमर्पित नक्सली सोढ़ी मूया से बाहरी नक्सली उगाही

का काम करवाते थे, सोढी मूया के समर्पण से शहरी नेटवर्क मे भी हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस के सामने सोढ़ी मूया ने कई राज खोले हैं, जिसका आने वाले दिनों में परिणाम देखने को मिलेगा। सोढ़ी मूया के अनुसार कई नक्सली आत्मसमर्पण करने के लिए तैयार हैं। इसका यह अर्थ निकाला जा रहा है कि सोढ़ी मूया के संपर्क में इसके साथ काम करने वाले और भी नक्सली आत्मसमर्पण करने के लिए आयेगे।

जेम्स-ज्वेलरी कटिंग और पॉलिशिंग का हब बनकर उभरेगा छत्तीसगढ़

» मुख्यमंत्री का रायपुर सराफा एसोसिएशन ने किया अभिनंदन

» पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में जेम्स एण्ड ज्वेलरी त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम प्रारंभ होने पर जताया आभार

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज शाम यहां उनके निवास कार्यालय में रायपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष हरख मालू के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने चालू शिक्षा सत्र से पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में जेम्स एंड ज्वेलरी त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम आरंभ होने पर शॉल-श्रीफल भेंटकर मुख्यमंत्री का अभिनन्दन किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रतिनिधिमंडल से चर्चा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं को कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। इस तारतम्य में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में जेम्स एण्ड ज्वेलरी पाठ्यक्रम की शुरूआत से युवाओं का कौशल

उन्नयन होगा और उनके लिए स्वरोजगार की राहें भी खुलेंगी। साथ ही साथ छत्तीसगढ़ देश-दुनिया में गेम्स एण्ड ज्वेलरी के कटिंग और पॉलिशिंग का हब बनकर उभरेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल को एसोसिएशन के अध्यक्ष मालू ने बताया कि यहां जेम्स एण्ड ज्वेलरी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की मांग लंबे समय से की जा रही थी, जिसे छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पूरा किया गया है। वर्तमान में देश में केवल सूरत और मुम्बई में यह कोर्स संचालित है। सरकार की इस पहल से छत्तीसगढ़ को जेम्स एण्ड ज्वेलरी के क्षेत्र में एक नई पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल में लक्ष्मी नारायण लाहोटी, प्रह्लाद सोनी तथा प्रमित नियोगी शामिल थे।

डायरेक्ट डिस्पैच के लिए अब तक की सबसे अधिक 9,70,552 टन स्टील की हुई लोडिंग

» सेल-बीएसपी ने माह अप्रैल से अगस्त में कई क्षेत्रों में किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

भिलाई (आरएनएस)। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों ने माह अप्रैल से अगस्त, 2021 अर्थात् वित्तीय वर्ष के पहले पांच महीनों में उत्पादन के नए रिकार्ड दर्ज कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। इन विभागों में शामिल हैं ब्लास्ट फर्नेस-8, एसएमएस-3, यूआरएम तथा बीआरएम। संयंत्र ने अप्रेल से अगस्त, 2021 में 9,70,552 टन स्टील का लोडिंग कर डायरेक्ट डिस्पैच कर वित्त वर्ष 2019-20 के माह अप्रेल से अगस्त में 8,21,106 टन स्टील के लोडिंग के पिछले रिकॉर्ड को पछाड़ते हुए नया रिकॉर्ड बनाया गया है।

ब्लास्ट फर्नेस-8 ने किया सर्वश्रेष्ठ अप्रैल से अगस्त- सेल-भिलाई इस्पात

संयंत्र की मॉडेक्स इकाई, ब्लास्ट फर्नेस-8 ने अप्रैल से अगस्त, 2021 में 9,93,277 टन हॉट मेटल उत्पादन का नया कीर्तिमान रचते हुए अप्रैल से अगस्त, 2019 में दर्ज किए सर्वश्रेष्ठ निष्पादन रिकॉर्ड 9,82,911 टन हॉट मेटल को ध्वस्त कर बेस्ट अप्रैल से अगस्त का नया कीर्तिमान रचा है।

एसएमएस-3 ने किया श्रेष्ठ प्रदर्शन- सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की मॉडेक्स इकाई, एसएमएस-3 ने अप्रैल से अगस्त, 2021 के दौरान 10,13,108 टन कास्ट स्टील प्रोडक्शन कर किसी भी अप्रैल से अगस्त माह के लिये सर्वश्रेष्ठ उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया है। एसएमएस-3 ने यह रिकॉर्ड पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में अप्रैल से अगस्त माह में 7,00,075 टन कास्ट स्टील प्रोडक्शन के अपने ही रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए बनाया है। एसएमएस-3 ने कुल कास्ट स्टील उत्पादन के साथ-साथ वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 के अप्रैल से अगस्त माह में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 6,20,877 टन कास्ट बिलेट उत्पादन और 3,92,231 टन कास्ट ब्लूम उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष 2020-21 के अप्रैल से अगस्त माह में उत्पादित 4,05,157 टन कास्ट बिलेट और 2,94,918 टन कास्ट ब्लूम उत्पादन के रिकॉर्ड से कहीं अधिक है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐश्वर्या श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य तथ्य में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करवाएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001
www.nyaysakshi.com
सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिला कोंडागांव में डेढ़ वर्ष में कुपोषित बच्चों की संख्या में आई 41.54 प्रतिशत की कमी

» नक्सल प्रभावित व आदिवासी बहुल जिले ने देश के सामने प्रस्तुत किया उदाहरण

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के धुर नक्सल प्रभावित एवं आदिवासी बाहुल्य कोंडागांव जिले में कुपोषण के खिलाफ जंग लड़ी जा रही है। कोरोना काल के दौरान मात्र डेढ़ वर्ष में ही जिले में कुपोषित बच्चों की संख्या में 41.54 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। कम समय में ही जिले ने विभागों के समन्वित प्रयास, बेहतर रणनीति और मॉनिटरिंग के साथ उपलब्धि हासिल कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। बच्चों को प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ प्राप्त हो सके इसके लिए प्रशासन ने जिले में अंडा उत्पादन यूनिट भी स्थापित किया है। आज रोजाना यहाँ से पांच हजार अंडे बच्चों को मिल रहे हैं। अब इसकी दूसरी यूनिट भी लगाई जाएगी। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर मिलने वाले रागी और कोदो से पोषण आहार तैयार कराया जा रहा है।

अंडे और अनाज बच्चों तक पहुँचे इसके लिए वाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, खिलाये जा रहे बच्चों की तस्वीर ग्रुप में पोस्ट की जाती है। जिसकी मॉनिटरिंग स्वयं कलेक्टर करते हैं।

बस्तर संभाग से 80 किमी दूर कोंडागांव जिला के नक्सल प्रभावित एवं आदिवासी बाहुल्य होने के कारण विकास की मुख्यधारा से कई गांव दूर रहे हैं। ऐसे में इन गांवों में कुपोषण, एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रही है। कोंडागांव जिले में कुपोषण की बढ़ती दर प्रशासन के लिए एक चुनौती थी। वजन त्यौहार के आंकड़ों के अनुसार जिले में फरवरी 2019 में 5 वर्ष से कम आयु के लगभग 37 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार थे। कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान प्रशासन की सबसे बड़ी चुनौती थी कि कुपोषण की दर को नियंत्रित करना था। जिला कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि सुपोषण अभियान के तहत जून 2020 में 'नंगत पिला' परियोजना की शुरुआत की गई। हल्बी बोली में जिसका अर्थ होता है एक स्वस्थ बच्चा। परियोजना को पूरा करने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग को नोडल के रूप में नियुक्त किया गया। सबसे पहले कुपोषित बच्चों की पहचान के लिए जुलाई 2020 में जिले में बेसलाइन स्क्रीनिंग शुरू की गई, जिसमें 12726 बच्चों की पहचान की गयी।